

सिप्रा स्त्री. (तत्.) 1. भैंस 2. स्त्रियों का कटिबंध 3. शिप्रा नामक नदी।

सिफत स्त्री. (अर.) 1. कोई ऐसा गुण या विशेषता जो किसी व्यक्ति का स्वभाव बन गई हो जैसे- इस कर्मचारी की सिफत है कि यह काम में घबराता नहीं है 2. किसी वस्तु, पदार्थ का गुण या प्रभाव।

सिफर पु. (अर.) शून्य, गिनती में वह अंक जहाँ से गणना आरंभ होती है, सिफर का चिह्न '0' होता है जैसे- उसे गणित के परचे में सिफर मिला है **वि.** 1. खाली रिक्त पात्र जिसमें कुछ भरा हुआ ऐसा न हो। 2. व्यक्ति जिसमें गुण, बुद्धि, विद्या आदि का पूरा-पूरा अभाव हो, अयोग्य, मूल्य रहित।

सिफलगी स्त्री. (अर.) छिछोरापन, अधमता, नीचता, ओछापन।

सिफला वि. (अर.) 1. छिछोरा, नीच, तुच्छ 2. ओछा, घटिया दर्जे का।

सिफलापन वि. (अर.) नीच होने की अवस्था या भाव, कमीनापन, नीचता।

सिफा स्त्री. (अर.) शफा, स्वास्थ्य, आरोग्य, तंदुरुस्ती।

सिफात स्त्री. (फा.) 'सिफत' का बहु. सिफते।

सिफारत स्त्री. (अर.) 1. सफीर अर्थात् राजदूत का कार्य, पद या भाव, दूतकर्म 2. राजदूत का कार्यालय, दूतावास।

सिफारिश स्त्री. (फा.) अनुशंसा जो किसी के उपकार के लिए की जाए, खुशामद, संस्तुति।

सिफारिशी वि. (फा.) 1. सिफारिश संबंधी, खुशामदी 2. जो सिफारिश के रूप में हो।

सिफारिशी टट्टू वि. (फा.) जो केवल सिफारिश करके अथवा खुशामद करके अपना काम या जीविका चलाता है।

सिब पुं. (तद्.) शिव।

सिबि पुं. (तद्.) राजा शिवि।

सिबिका स्त्री. (तद्.) 1. शिविका, पालकी, डोली 2. अरथी 3. चबूतरा 4. कुबेर का एक अस्त्र।

सिमई स्त्री. (देश.) सिवई, सेंवई।

सिमख पुं. (तद्.) शिंगरफ (इंगुर)।

सिमट स्त्री. (देश.) सिमटने की अवस्था, क्रिया या भाव।

सिमटना/सिमटिना अ.क्रि. (देश.) सिकुड़ना, संकुचित होना। सिकुड़न पड़ना। एकत्र होकर, इकट्ठा होना। लज्जित हो जाना। सहमना।

सिमटी स्त्री. (देश.) खेस की तरह का एक प्रकार का मोटा कपड़ा।

सिमल पुं. (तद्.) हल का जुआ, जूए में लगी हुई खूँटी।

सिमाना पुं. (तद्.) हद, सीमा, सिवाना।

सिमृति स्त्री. (तद्.) स्मृति, याद, अनुस्मरण।

सिमेटना स.क्रि. (देश.) बटोरना, इकट्ठा करना।

सिम्त स्त्री. (अर.) 1. दिशा, तरफ, ओर 2. मोती, मुक्ता।

सिय स्त्री. (देश.) सीता, जानकी।

सियना स.क्रि. (तद्.) 1. सर्जन करना, उत्पन्न करना 2. सिलाई करना, सीना, सिलना।

सियनि/सियनी स्त्री. (तद्.) सुई, सूची।

सियरवन पुं. (देश.) सीता पति राम।

सियरा वि. (प्रा.) 1. शीतल, ठंडा 2. अपरिपक्व, कच्चा पुं. छाया।

सियराई स्त्री. (देश.) 1. शीतलता, ठंडक 2. कच्चापन, कचाई, अपरिपक्वता।

सियराना अ.क्रि. (देश.) शीतल, ठंडा होना।

सियह वि. (फा.) सियाह, काला।

सिया स्त्री. (तद्.) सीता, जानकी।

सियाना स.क्रि. (देश.) सिलाना **वि.** सयाना, समझदार।

सियाने क्रि.वि. (तद्.) सीमांत पर, सीमा पर।